reconstructed. I have seen in the Consultative Committee that the present Minister just talks and makes only promises, but he is not taking any action. I want to know from the hon. Minister what was the estimated cost of the building and how much amount has already been consumed and utilised for the building and whether they are going to remodel the whole building or only the extended portion is sufficient for them

SHRI RAJ BAHADUR: We have already informed him that it is proposed to take up during the Fifth Plan period the construction of a new terminal complex with associated apron and taxi-track at a new site at an estimated cost of Rs. 35 lakhs, and subject to the availability of resources We would certainly like to start the work on it as soon as possible. But since that may take some time, we have already spent a sum of Rs. 6.5 lakhs for the improvement of the present airport, including the extension of the areas available. The areas available for various purposes, arrival concourse. departure concourse, baggage delivery, departure holding, reserved restaurant, etc., have been increased from 4,031 sq. ft. to 13,655 sq. ft. We have done every thing possible for the interim period. I fail to see how can I satisfy the hon. Member. We have taken, practically, all the steps, in consultation with them in some cases

## Replenishment Export Permit Licences transferred to Export Houses

\*966. SHRI BHARAT SINGH CHOWHAN . SHRI LAJLI BHAI:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the number of Replenishment Export Permit licences transferred to eligible export Houses during the period 26th March to 31st March. 1974:

- (b) the names and addresses of the parties from whom and to whom these REP licences were transferred:
  - (c) value of each such licence?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) to (c). The information asked for is not readily available. Also, the time and labour involved in collection of this information may not be commansurate with the results sought to be achieved

श्री भारत सिंह चौहान : ग्रध्क महोदय, मेरा क्वेश्चन बहुत . भूम्पल था और इसका नोटिस भी मैने समय के अनसार दिया था। ग्रगर मंत्री महोदय यह जानकारी नहीं देते हैं. नो यह सन्देह होना स्वाभाविक है कि दाल में कुछ काला है। कम से कम बह उन एक्सपोर्ट हाउसिज के नाम तो बतायें. जिनको लाइसेंस दिये गये है। यदि नाम बताने में भी यह कहते है कि इन्फार्मेशन कलेक्ट करने में टाइम लगेगा तो यह तो एक बडे आश्चर्य की बात है। ये कुछ अपनी बातों को छिपाना चाहते हैं। में एक्सपोर्ट हाउसेज के नाम जानना चाहता हं। उनके नाम भ्राप बतलाइये। हमे बिल्कुल शंका है इस बारे मे ।

SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH: Sir, so far as the names of the export houses are concerned, it is not difficult to give; there are about 164 export houses which have been given eligibility certificates in 1974-75. That information could be passed on to the hon. Member. But the question asked is, how many replenishment export permit licences have been transferred to the eligible export houses. Various licensing authorities transfer these licences and the number is quite large. For the specified period for which this is asked, end of the year. it becomes specially large because everybody tries to clear and get those

23

भी हकम चन्द कछशय : प्रध्यक्ष महोदय यह 26 मार्च से 31 मार्च सन् 74 तक कुल पांच दिन की जानकारी मांगी है।

श्री भारत मिह श्रीहान : जो लाइसेस दिये हैं किन किन देशों से उनका सम्बन्ध है एक्सपोर्ट करने का? कम से कम उन देशों के नाम तो ग्राप बतलाइए ।

श्राध्यक्ष महोदय ' जब वह ट्रांसफर के बारे में कह रहे है कि नहीं पता है तो देश कहां से पता लगेगा ?

VISHWANATH PRATAP SINGH: It will cover every country, if we take this. This information is not ready in hand. I have explained the difficulty in collecting the information. I hope, the hon Member will appreciate it.

श्री हक्तम चन्द कछवाय : यह जो निर्यात करने के लाइसेस चेंज किए जाते हैं या रिन्य किए जाने हैं, इसमे केवल 5 दिन की जानकारी मांगी है। सरका के पास सब प्रकार की मशीनरी है. सरकार सब प्रकार से मक्तिशाली है, इतना समय सरकार को मिला है, इतने समय के अवदर पांच दिन की जानकारी देने में सरका की क्या ग्रसमर्थता है ? क्या यह बात सही नहीं है कि यह इन्कार्मेशन इसलिए नहीं दे रहे हैं इसमे कुछ ध तसरों भीर कुछ मंत्रियों का हाथ भी पाये जाते है ? इस बात को छिपाने के लिए माप जानकारी नहीं देना चाहते ?

सध्यक्ष महोदय : प्राप हर दाल को इसी तरह बना देते हैं। हर बात को इसी से ला कर जोड़ देते हैं।

Oral Answers

भी हरूम चन्द कल्लवाय : ग्रध्यक्ष महोदय, 21 दिन पहले सवाल दिए जाते हैं। उसमें कुल केवल पांच दिन की जानकारी मांगी है।

श्रध्यक्ष महोदय: 21 दिन में से बहत सा समय तो दफ्तर से वहां जाते जाते निकल जाता है। बहुत कम वस्त मिलता है। भापने तो 21 दिन पहले दे दिया भीर समझ लिया कि यहां से सीधे फेंक दिया उन को यहां से जाने में बनत लगता है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : प्रध्यक्ष महोदय वह जवाब तो दे।

VISHWANATH SHRI PRATAP SINGH: First, I want to refute that we are concealing any information because there is something wrong. There is a genuine difficulty. It is not a question of five days. Going into the files of various licensing authorities which are not at one place and sorting it out will involve a lot of work.

श्री हकम चन्द कछवाय : यह जानकारी वह कब तक देगे ? एक महीना लगेगा, दो महीना लगेगा, साल भर लगेगा, कुछ तो जानकारी दिलवाइए । इतना उत्तर दिलवा दीजिये कि जानकारी कब देंगे ?

ध्यध्यक्ष महोदय : मझको दिलवाना है ? उनके पास म्राएगी तो वह देगे। जैसे मैंने रोक रखा है जो मैं कहं कि जानक री कब देगे । म्राप बैठिए ।